

साहित्य

समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग डायरेक्टर यानि मालिक घोष के बेटे मिलिंद की नजर वंदना पर पड़ी और वह उसकी सूरत और सीरत का कायल हो गया, यानि उसे वंदना से प्रेम हो गया।



कहानी

आशमा कौल

खिड़की पर खड़ी वंदना को पता ही नहीं चला कि मीठी हवा ने अचानक आंधी का रूप कब ले लिया और किरकिरी उसकी आँखों में समा गई। उसने तुरंत खिड़की बंद की और बेसिन पर अपनी दुखती आँखों में पानी के छीटें मारने लगी। शीशे में देखा तो दोनों आँखें लाल थी, वैसे भी उसे इसकी आदत हो चुकी थी। मन का हर गुबार वह बाथरूम में ही आकर निकालती थी। वंदना का ब्याह हुए दो वर्ष हो चुके हैं। बचपन में वंदना, घर भर की दुलारी और लाइली बेटी बहुत नाजों में पली थी, माँ-पिताजी कॉलेज में अधिवक्ता थे तो वंदना भी यढ़ने में होशियार रही।

‘वंदू रानी, वंदू रानी कहाँ चली’- कहते हुए माँ वंदना को बाहों में भर लेती और वंदना खिलखिलाते हुए अपनी सहेलियों के साथ खेलने की जिद करती। चुलबुली वंदना अपनी सहेलियों की भी चहेती थी। मुस्कुराती और खिलखिलाती वंदना सभी का दिल पाने भर में मोह लेती थी। स्कूल पूरा हुआ तो वंदना ने इंजीनियरिंग में दाखिला लिया और चार साल की पूरी मेहनत के बाद एक मल्टीनेशनल कंपनी में कार्यरत हो गई। वंदना के पास उड़ने के लिए अब पूरा आसमान था और वंदना के पंखों में भी बहुत हँसला था। वह हर दिन जोश से अपने टागेट पूरे करती तो सबका सम्मान भी पाती। अपनी कंपनी से बेस्ट इंजीनियर का खिताब भी वह कई बार पा चुकी थी। दिन भर की व्यस्तता के बाद जब वंदना और उसके मम्मी-पापा शाम को मिलते तो वह अपने पिता की उपलब्धियां देख सुनकर गर्व से फूले न समाते। डिनर टेबल पर पापा और बेटी के बीच दिन भर की



चर्चा चलती। उस दिन भी गपशप चल रही थी जब माँ ने कहा ‘वंदना अब मैं तुम्हारा ब्याह करना चाहती हूँ, कोई लड़का तुम्हारी नजर में है तो मुझे बिना झिझके बता दोश’। माँ की बात सुन वंदना अचानक सकते में आ गई – ‘माँ आज अचानक आपको मेरे ब्याह का ख्याल कैसे आ गया’। ‘जब बेटी बड़ी हो जाती है तब माँ की नौद गायब हो जाती है, तुम नहीं समझोगी’ ‘पापा देखो, आप ही समझाओ माँ को कि अभी इतनी जल्दी न करे, अभी तो मेरा कैरियर शुरू हुआ है’ ‘बेटा तुम सही कह रही हो लेकिन माँ भी अपनी जगह सही है। हर चीज समय पर अच्छी लगती है और अभी तो हमारी सुंदर गुणवान बेटी के लिए लड़का ढूँढने में भी समय लगेगा, देखो शादी के बाद भी तुम अपनी लग्न से बुलंदियाँ छू सकती हो’ – पापा ने कहा तो माँ ने तुरंत तसल्ली देते हुए कहा– “ मैंने भी तो शादी के बाद अपनी नौकरी जारी रखी और आज भी पढ़ा रही हूँ, तुम भी आगे अपना पेशन फॉलो करना, चलो अब आराम करो कल फिर सुबह निकलना है।’ मम्मी-पापा को शुभ रात्रि कह कर वंदना अपने कमरे में आकर अपने भविष्य के सुंदर सपने बुनती हुई नौद के आगोश में चली गयी। समय अपनी गति से चलता रहा और वंदना अपने काम की दुनिया में मस्त हो गई। उसकी मेहनत को देखते हुए कंपनी ने उसे सीनियर मैनेजर की पोस्ट पर नियुक्त कर दिया और तब उसकी जिंदगी में एक नया मोड़ आया। कंपनी के मैनेजिंग

हरना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपनों से हो, और जीतना तब आवश्यक हो जाता है, जब लड़ाई अपने आप से हो।

-हरिवंश राय बच्चन



हरिभूमि

रोहतक, सोमवार, 22 दिसंबर 2025

8

मिलिंद की बातें सुन कर वंदना भी भावुक हो कर बोली – ‘मिलिंद अगर हमारी शादी होती है तो मैं तुम्हारी आकांक्षाओं पर खरी उतरने की पूरी कोशिश करूंगी, लेकिन मिलिंद ताली कभी एक हाथ से नहीं बजती, इसमें तुम्हें भी मेरी पूरी मदद करनी होगी। मिलिंद मैं शादी के बाद भी काम करूंगी और कम्पनी को और भी ऊंचाइयों पर ला कर दिखाऊँगी। ‘हाँ वंदना, मैं अपने कहे से कभी पीछे नहीं हटूँगा, तुम बस शादी के लिए हाँ कर दो’ । हँसते हुए मिलिंद और वंदना बाहर बैठक में आए तो सबने ताली बजा कर उनका स्वागत किया। दोनों तरफ से हाँ हो चुकी थी, अब केवल औपचारिक बातें हो रही थी। डिनर की मेज सज गई थी, सबने एक साथ बैठकर खाना खाया और फिर खुशी में मुंह मीठा किया।

उसकी चिंता यह थी कि लड़के की माँ नहीं है और वंदना पर घर का पूरा दबाव आ जाएगा, लेकिन पति और बिटिया के समझाने पर वह निश्चित हो गई। वंदना बहुत समझदार लड़की थी और विवाह के बाद उसने अपने घर को बहुत अच्छे से संभाल लिया। सुबह जल्दी उठ कर काम वाली की मदद से वह नाश्ता और लंच तैयार करती और फिर पति और ससुर के साथ कंपनी का काम भी कुशलता से संभालती। सब उसकी तारीफ करते नहीं थकते। उसकी काबलियत देख कर घोष साहब जरूरी मामलों में बेटे से ज्यादा बहू पर विश्वास करते और हर मामले में उसकी राय लेते जो मिलिंद को पसंद नहीं आता।

मिलिंद वंदना को नीचा करने का कोई न कोई बहाना ढूँढता जो वंदना को समझ आने लगा था लेकिन वह चुप रहती ताकि उनके दंपत्य जीवन में दरार न आए। उसे बात-बात पर रूलवाना मिलिंद की आदत में शुमार हो गया था। ‘मैंने एक लड़की से शादी की थी जो मेरा घर संभाल सके, कंपनी संभालने के लिए मैं हूँ’ – मिलिंद वंदना को बात-बात में ताना मारता तो वंदना भी कह पड़ती – ‘मिलिंद मैंने भी उतनी ही पढ़ाई की है जितनी तुमने, मैं भी अपनी जिंदगी जीना चाहती हूँ। शादी से पहले तुमने वादा किया था कि हम हर काम मिलकर करेंगे लेकिन दो साल में ही तुम बदल गए हो’।

बात-बात पर प्रताड़ित होती वंदना अपने दिल का गुबार आंसुओं में निकाल लेती लेकिन उस दिन तो मिलिंद ने हद ही पार कर दी, गंगा जैसी निर्मल वंदना पर गलत आक्षेप लगाकर। वंदना और मनोज एक ही प्रोजेक्ट पर काम कर रहे थे और उस मामले में मनोज को वंदना के कैबिन में कई बार जाना पड़ता था जो मिलिंद को बिल्कुल पसंद नहीं था। घोष साहब के कानों में जब यह बात पड़ी तो उन्होंने मिलिंद को बहुत समझाने की कोशिश की लेकिन उसकी बुद्धि को भ्रष्ट करने में

उसके कुछ बिगड़ैल दोस्तों का हाथ था। अब तो समझने की जगह वह वंदना को और प्रताड़ित करने लगा और एक दिन मनोज को उसके कैबिन में जाते देख उसने हंगामा शुरू कर दिया। ‘साले, बाहर निकल, मेरी बीवी के साथ गुलछरें उड़ाना है’। ‘मिलिंद क्या कह रहे हो, होश में तो हो तुम’ ‘बकवास बंद कर’ - मिलिंद वंदना का हाथ मरोड़ते हुए चिल्लाया- ‘हाँ, होशोहवास में कह रहा हूँ, तुम कोई सती सावित्री नहीं, बदचलन हो, पहले मुझे अपने झाल में फंसाया और अब इसको फंसा रही हो’। यह सुनते ही वंदना को लगा जिसे किसी ने उस पर खौलता पानी डाल दिया हो और वह पूरी तरह झुलस गयी हो। कभी-कभी शारीरिक प्रताड़ना से बड़ी मानसिक प्रताड़ना होती है। सात फेरों के बाद अगर किसी औरत पर उसका पति इतना गलत और गिरा हुआ आक्षेप लगाए तो उसको क्या करना चाहिए। सबका कहना है कि उसकी सब्र रखना चाहिए लेकिन वंदना पढ़ी-लिखी एक इज्जतदार घर की लड़की है और वह किसी भी तरह के गलत आक्षेप को स्वीकार नहीं कर सकती।

वंदना अपना सामान लेकर मायके आ गई है। खिड़की पर खड़ी वंदना के मन में उथल-पुथल चल रही है कि वह क्या करे। बाहर ठंडी हवा ने आंधी का रूप ले लिया है और वंदना ने एक अहम फैसला ले लिया है कि वह इस अंदर और बाहर की आंधी को अपने जीवन में घुसने नहीं देगी। उसने खिड़की को बंद कर दिया है और वॉश बेसिन पर आँखों को धो लिया है। अब उसे सब कुछ साफ दिख रहा है, उसने मन ही मन कुछ निश्चय किया है और उसके मम्मी-पापा उसके फैसले में उसके साथ उसकी ढाल बनकर खड़े हैं। बाहर आंधी थम चुकी है। वंदना ने खिड़की खोल दी है और शीतल बयार उसके तन और मन को सहला रही है।

लघु कथा	डॉ. अंजना गर्ग	
घर जाग रहे, चोर भाग रहे		
कल रात घुमंतु गली में घूम रहा था। देखा—दो चोर बिजली के खंभे के नीचे उदास बैठे हैं, जैसे सरकार ने चोरी पर भी जीएसटी लगा दिया हो। घुमंतु ने पूछा, "क्यों रे भाइयो, आज धंधे पर नहीं गए?" पहला चोर बोला, "घुमन्तू जी, धंधा ही चौपट हो गया, कहाँजाएँ ? क्यों, क्या हुआ ?" घुमंतु ने प्रश्न दागा। रात तीन बजे तक बच्चे मोबाइल के साथ जागते-जागते चौकीदार बन गए हैं। सुबह चार बजे बुजुर्ग उठकरमगवान को लाइव कॉल लगा देते हैं। दूसरा चोर आह भरते हुए बोला, "हम चोर हैं, 24 घंटे जागरण नहीं कर सकते! इन घरों में तो नींद का भी प्रवेश-निषेध है, चोरी तो दूर की बात है।" घुमंतु हँस पड़ा—"लगता है भाइयो, देश से नींद भी अष्टाचार से डर कर भाग गई है।"		
कविता	भूपसिंह भारती	
मां फुले का वंदन		
मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन। हाथ जोड़कर नमन करें, नन्हें मुझे नंदन।। सदियों से बंद रहा, शिक्षा का दरवाजा, उसे खोल कहा फुले ने, पढ़ने अंदर आजा, ना ऊंच नीची कोई, ना कोई है बंधन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।। पाठ्य गोबर फेंका, जब चली पढ़ाने मां, ना रुकी क्रांति ज्योति, लगी कदम बढ़ाने मां, फुले की कुर्खानी, कर गई सब को धन धन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।। सब पाखंडों को मिटकर, हर घर में ज्ञान फैलाया, ना अमपढ़ रहे कोई, शिक्षा का दीप जलाया, मां लान महकने अब, तेरी मेहनत का वंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।। सत पथ पर चलकर के, फुले का मान करो, बने एक नेक सारे, सुरक्षित संविधान करो, कहे 'भारती' जीवन में, ना रहे कोई कंदन। मां फुले का वंदन, मां फुले का वंदन।		
कविता	सपना	
अनकही बातें		
कितनी अनकही बातें हैं जो हम कह नहीं पाते । चाह कर भी किसी को बता नहीं पाते ।। जानते हैं कि कोई सुख न होगा हमारी खुशी में । जानते हैं कि कोई दुखी न होगा हमारे दुख में ।। क्यों भाईचारा नहीं रहा परिवारो में ? क्यों एहसास नहीं रहा रिश्ते में ?? किस मुकाम पर आ कर खड़े हैं सब । जहाँ न सच बोलने वाले हैं न सुनने वाले ।। जहाँ न सही का साथ देने वाले हैं । न गलत का विद्रोह करने वाले हैं ।। न जाने क्यों टूट गई है हिम्मत । न जाने क्यों बिखर गए हैं ख्याब ।। बस एक जिम्मेदारी सा लगता है जीवन । अनकहा अनसुना अनजुआ ...।।		

कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लेखनी से शोषित-वंचित वर्ग के बहुआयामी शोषण, दमन, उत्पीड़न, अत्याचार आदि के मुंह बोलते शब्दचित्र जीवंत होकर कथा-कहानी व नाटकों में ढले हैं। यही कारण है कि हर पाठक को इस जमीनी लेखक के पात्रों की पीर भोगा, देखा व सुना यथार्थ प्रतीत होता है। नई पीढ़ी के नाम संदेश में वे कहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा स्वाध्याय करें तथा छपने की जल्दबाजी नहीं करें। बड़ों से मार्गदर्शन लेते रहें और मौलिक सृजनता पर ज्यादा ध्यान दें।

साक्षात्कार **सत्यवीर नाहड़िया**

साहित्य समाज का दर्पण ही नहीं होता, समाज का दिशाबोधक भी होता है, इसलिए लेखकीय दायित्व स्वाभाविक तौर पर बढ़ जाता है। सामाजिक विसंगतियों तथा विद्रूपताओं को उजागर करते हुए इनका समाधान भी सुझाना हमारा दायित्व है। शोषितों तथा वंचितों के न्याय युद्ध में शामिल होकर उनके स्वाभिमान को रेखांकित करना हर

रचनाकार का दायित्व है। यह मानना है कथा साहित्य के क्षेत्र में देश के जाने-माने कथाकार-समालोचक का, जिन्होंने पिछले कई दशकों में निरंतर कथा-साहित्य को नए प्रयोगों के साथ समृद्ध किया है। यही कारण है कि कथा साहित्य के मूल तत्त्वों को अपनी मौलिक प्रयोगधर्मिता तथा अनवरत सृजनशीलता की अनूठी साधना से नयी ऊंचाइयां प्रदान करने वाले देश के चुनौदा रचनाकारों में रेवाड़ी के कथाकार रत्नकुमार सांभरिया का नाम बड़े आदर व सम्मान से लिया जाता है।

हरियाणा साहित्य गौरव सम्मान से अलंकृत इस रचनाकार ने अपनी जन्मभूमि गांव भाड़ावास (रेवाड़ी) को राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी लेखनी से

शोषितों के स्वाभिमान को शब्द देना लेखकीय दायित्व : सांभरिया

प्रकाशित पुस्तकें

कथा साहित्य के अगुठे साधक कथाकार रत्नकुमार सांभरिया की लिखी कई पुस्तकें प्रकाशित हो चुकी हैं। इनमें हुकुम की दुहणी, काल तथा अन्य कहानियाँ, खेत तथा अन्य कहानियाँ, दलित समाज की कहानियाँ, एयरगन का घोड़ा, बांग तथा अन्य कहानियाँ, प्रतिनिधि लघुकथा शतक, गुंशी प्रेमचंद और दलित साहित्य, उपन्यास सौप व नटनी, डॉ. अंबेडकर : एक प्रेरक जीवन, नाटक-वीमा, उजास, भमूल्ला आदि नाम शामिल हैं।

गौरवान्वित कराया है। भाड़ावास के इस लाल के जयपुर स्थित आवास पर लिखा ‘भाड़ावास हाउस’ इनका अपनी जड़ों के प्रति जुड़ाव एवं लगाव के कृतज्ञभाव का प्रदर्शित करता है। देशभर के विश्वविद्यालयों



रत्नकुमार सांभरिया

के पाठ्यक्रमों में जहां उनकी रचनाएं शामिल कर पढ़ाई जा रही हैं, वहीं कहानी, लघुकथा, एकांकी, नाटक, आलोचना, अनुवाद आदि उनकी बहुआयामी सृजनधर्मिता पर तीन दर्जन से ज्यादा

पुरस्कार व सम्मान

नवज्योति कथा सम्मान (1998), राष्ट्रीय सहारा कथा पुरस्कार (2005), कथादेश अखिल भारतीय हिंदी साहित्य सम्मान (2007), राजस्थान पत्रिका सृजनात्मक पुरस्कार (2018), हरियाणा साहित्य अकादमी हरियाणा गौरव सम्मान (2014), सुखमण्यम भारती सम्मान, केंद्र सरकार (2017) राजस्थान साहित्य अकादमी गौरा सम्मान (2023), बाबू बालमुकुंद गुप्त पत्रकारिता एवं साहित्य संरक्षण सम्मान, रेवाड़ी (2025) आदि शामिल हैं।

विद्यार्थी एमफिल व पीएचडी कर शोध कर चुके हैं। सूचना एवं जनसंपर्क विभाग, राजस्थान से बतौर उपनिदेशक (प्रशासन) सेवानिवृत्त होकर अब पूर्ण रूप से साहित्य सृजन में साधनारत हैं। 6 जनवरी, 1956 को

एक–दूसरे के पूरक हैं साहित्य और स्वाध्याय

तिमर्थ **डॉ. चंद्र त्रिखा**

हरियाणा की पावन धरती भारतीय साहित्य के इतिहास में एक अछिरीय स्थान रखती है, जिसे वेदों की जन्मस्थली होने का गौरव प्राप्त है। महर्षि वेदव्यास द्वारा ‘महाभारत’ की रचना भी इसी माटी पर हुई, जिसने न केवल भारत अपितु संपूर्ण विश्व को जीवन दर्शन का पाठ पढ़ाया। मध्यकाल में संत साहित्य की अविरल धारा यहाँ प्रवाहित हुई, जिसमें बाबा फरीद की सुफी वाणी और संत निश्चल दास के दार्शनिक चिंतन ने समाज को वैचारिक स्पष्टता प्रदान की। हरियाणा का साहित्य केवल पन्नों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि यहाँ की लोक विधा ‘सांग’ और रागिनियों के माध्यम से यह सामान्य जनमानस के कंठहार का हिस्सा

है। पंडित लक्ष्मीचंद जैसे कवियों ने लोक-साहित्य को जो ऊँचाई दी, उसने हरियाणा की विशिष्ट सांस्कृतिक पहचान को वैश्विक पटल पर मजबूती से स्थापित किया। समकालीन परिदृश्य में हरियाणा का साहित्य बहुआयामी और प्रगतिशील है। खड़ी बोली के विकास में बालमुकुंद गुप्त जैसे दिग्गजों का योगदान अविस्मरणीय है, जिन्होंने अपनी लेखनी से राष्ट्रीय चेतना को जगाया। वर्तमान समय में हरियाणा के रचनाकार कविता, कहानी और उपन्यास के माध्यम से सामाजिक विसंगतियों, नारी विमर्श और किसान जीवन की चुनौतियों को मुखरता से अभिव्यक्त कर रहे हैं।

राज्य की हरियाणा साहित्य एवं संस्कृति अकादमी और अनेक साहित्यिक संस्थाएं इस दिशा में अपने प्रयास कर रही है, जिससे नए लेखकों को मंच और प्रोत्साहन मिल रहा है। प्रत्येक वर्ष 500 से 600 साहित्यिक पुस्तकें प्रकाशित हो रही हैं। लेकिन एक विडंबना अब हमारे सामने आ रही है कि मुख्यधारा के विमर्श

में हरियाणा में साहित्य के नाम पर कविताएँ ही अधिकाँश रूप से लिखी जा रही हैं और उसमें भी लघु कविता का बोलबाला है। जबकि गद्य में लघुकथा रचना का प्रभाव बढ़ रहा है। ऐसे में उपन्यास, कहानी, आलेख और काव्य खंड की स्थिति विचारणीय हो गई है। वर्तमान में साहित्य दिशा में गंभीर दशनिकता और मानवीय संवेदनाएं दुर्लभ सी हो रही हैं। आप ध्यानपूर्वक देखेंगे तो पायेंगे कि आज की युवा पीढ़ी में हमारे पास केवल कुछ चुनौदा लेखक ही हैं। जहां पूरी दुनिया के विभिन्न क्षेत्र युवा हाथों में सुरक्षित

दिखाई देते हैं वहीं साहित्य की जिम्मेदारी का भार अभी भी वरिष्ठ साहित्यकारों के कंधों पर होना चिंताजन्य है। आज साहित्यकार जो लिख रहे हैं, वह भी अपेक्षित अध्ययन के बाद नहीं लिखा जा रहा है। साहित्य की इस समृद्ध विरासत को अक्षुण्ण रखने और इसे नई ऊँचाइयों तक पहुंचाने के लिए ‘स्वाध्याय’ की आवश्यकता आज पहले से कहीं अधिक अनिवार्य हो गई है। स्वाध्याय ही वह प्रक्रिया है जो किसी भी समाज की बौद्धिक उर्वरता को जीवित रखती है। आज के डिजिटल युग में, जहाँ

सूचनाओं का अंबार तो है किंतु ज्ञान की गहराई कम होती जा रही है, वहीं पठन-पाठन की संस्कृति का हास होना चिंताजनक है। स्वाध्याय केवल सूचना जुटाने का साधन नहीं है, बल्कि यह वह माध्यम है जिसके द्वारा युवा पीढ़ी अपनी सांस्कृतिक जड़ों से जुड़ पाती है। जब तक हम अपने पुरखों द्वारा रचे गए महान ग्रंथों और समकालीन रचनाओं का गहरा अध्ययन नहीं करेंगे, तब तक हम अपनी भाषा और संस्कृति की रक्षा करने में सक्षम नहीं हो पाएंगे। साहित्यिक स्वाध्याय व्यक्ति की आलोचनात्मक सोच को विकसित करता है, जिससे वह समाज में व्याप्त भ्रान्तियों और सतही विमर्शों के बीच सत्य को पहचानने की दृष्टि प्राप्त करता है। स्वाध्याय की कमी के कारण ही आज स्तरीय साहित्य की जगह सतही सामग्री ले रही है। अतः, यह आवश्यक है कि हम पुस्तकों के साथ अपना नाता फिर से जोड़ें और पुस्तकालयों को अपने जीवन का अनिवार्य हिस्सा बनाएं। साहित्य और स्वाध्याय एक-दूसरे के पूरक हैं। हरियाणा की साहित्यिक स्थिति को और अधिक सुदृढ़ बनाने के लिए पठन की एक नई लहर को आवश्यकता है। स्वाध्याय से परिपक्व समाज ही अपनी भाषा को मान दिला सकता है और साहित्य के माध्यम से राष्ट्र को निर्माण में अपना श्रेष्ठ योगदान दे सकता है।

खबर संक्षेप

पूर्व मंत्री रणजीत सिंह ने ली समर्थकों की बैठक

फतेहाबाद। पूर्व बिजली मंत्री रणजीत सिंह ने रविवार को फतेहाबाद में अपने समर्थकों की बैठक को संबोधित किया। पंचायत भवन में हुई इस मीटिंग में जिलेभर से उनके लंबे समय से जुड़े

समर्थक और कार्यकर्ता शामिल हुए। बैठक के दौरान रणजीत सिंह ने अपने साथियों से आगे की रणनीति पर चर्चा की। बैठक को संबोधित करते हुए रणजीत सिंह ने कहा कि वह इन दिनों हर जिले में जाकर अपने पुराने साथियों से मुलाकात कर रहे हैं। उनका मकसद जमीनी स्तर पर कार्यकर्ताओं की राय जानना और भविष्य की योजनाओं को लेकर सुझाव लेना है। इस दौरान उन्होंने यह भी कहा कि क्षेत्रीय पार्टियों का अब कोई वजूद नहीं बचा है। रणजीत सिंह ने संकेत दिए कि कार्यकर्ताओं से मिले सुझावों के आधार पर जल्द ही प्रदेश स्तरीय कार्यक्रम आयोजित किया जाएगा। फरवरी या मार्च में यह कार्यक्रम होगा। उन्होंने कार्यकर्ताओं से आह्वान किया कि वे जनता से जुड़े मुद्दों को प्राथमिकता दें। उन्होंने कहा कि कार्यकर्ता सरकार की खामियों को भी जनता के सामने रखने का काम करें।

किड्स केयर कैंपस में डांस वर्कशॉप 25 से

फतेहाबाद। सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा 13वें निशुल्क डांस वर्कशॉप का आयोजन 25 दिसंबर से 10 जनवरी तक पगोहा पार्क के पास स्थित किड्स केयर कैम्पस स्कूल में किया जाएगा। इस वर्कशॉप में 10 वर्ष से ऊपर सिर्फ लड़कियों को निःशुल्क डांस सिखाया जाएगा। जाने माने नृत्य निर्देशक कुलदीप बाकोलिया व सोनिया के सानिध्य में इस वर्कशॉप में बच्चियों को विभिन्न तरह के हरियाणवी, पंजाबी, राजस्थानी, गुजराती डांस के स्टेप सिखाए जाएंगे। संस्था अध्यक्ष विनोद अरोड़ा, प्रोजेक्ट ईचार्ज मीना मोंगा, महेंद्र मदान व लवली मैहता ने बताया कि इस तरह का आयोजन सिटी वेलफेयर क्लब द्वारा ही हर साल किया जाता है और यहां से नृत्य सीखने के बाद बच्चियों को 11 जनवरी को लोहड़ी बेटियों के नाम कार्यक्रम अरुणेश धर्मशाला में भव्य मंच भी प्रदान किया जाता है। बच्चियों को सर्टिफिकेट व विभिन्न पुरस्कार भी दिये जाते हैं।

लायंस क्लब ने ट्रैफिक पुलिस के साथ मिलकर वाहनों पर लगाए रिफ्लेक्टर

हरिभूमि न्यूज़►टोहाना लायंस क्लब द्वारा ट्रैफिक पुलिस के सहयोग से टोहाना में रिफ्लेक्टर लगाओ अभियान चलाया गया। इस दौरान टोहाना में टाउन पार्क के सामने हिसार रोड पर वाहनों पर रिफ्लेक्टर लगाए गए। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य धुंध और कम दृश्यता वाले मौसम में सड़क दुर्घटनाओं को रोकना तथा वाहन चालकों और राहगीरों की सुरक्षा सुनिश्चित करना रहा। अभियान के दौरान ट्रक, बस, ट्रैक्टर-ट्रॉली सहित अन्य वाहनों पर रिफ्लेक्टर

स्वास्थ्य

आयुष विभाग फतेहाबाद ने ब्रह्माकुमारी आश्रम में मनाया दूसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस

हरिभूमि न्यूज़ ►फतेहाबाद

आयुष विभाग फतेहाबाद द्वारा दूसरा अंतरराष्ट्रीय ध्यान दिवस श्रद्धा, अनुशासन और सकारात्मक ऊर्जा के वातावरण में अशोक नगर स्थित ब्रह्माकुमारी आश्रम में मनाया गया। यह कार्यक्रम महानिदेशक आयुष विभाग, पंचकूला तथा हरियाणा योग आयोग के तत्वाधान में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. प्रवीण शर्मा के मार्गदर्शन एवं निर्देशानुसार किया गया। इस अवसर पर आयोजित ध्यान शिविर की समन्वयक जिला योग समन्वयक डॉ. भारती चौहान

एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण से डिजिटल डाटा तैयार होगा

जिले के विभिन्न गांवों में 31 दिसंबर तक लगेंगे विशेष शिविर

हरिभूमि न्यूज़ ►► फतेहाबाद।

जिला फतेहाबाद में केंद्र सरकार के डिजिटल एग्रीकल्चर मिशन के तहत एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण अभियान शुरू हो गया है। इसका मुख्य उद्देश्य किसानों तक सरकारी योजनाओं का लाभ तेज, पारदर्शी और सरल तरीके से पहुंचाना है। उपायुक्त डॉ. विवेक भारती ने किसानों से अपील की है कि वे अपने निकटतम शिविर में पहुंचकर पंजीकरण करवाएं और इस डिजिटल पहल का अधिकतम लाभ उठाएं।

एग्रीस्टैक एक डिजिटल कृषि इकोसिस्टम है जो किसानों का समग्र डेटाबेस तैयार करता है। इसमें किसान की पहचान, भूमि रिकॉर्ड, फसल विवरण, आय, ऋण और बीमा इतिहास जैसी महत्वपूर्ण जानकारीयां शामिल होंगी। इससे किसानों को एक यूनिक किसान आईडी मिलेगी, जिससे पीएम-किसान, फसल बीमा, कृषि ऋण, सब्सिडी और अन्य सरकारी योजनाओं के लाभ सीधे बैंक खाते में डीबीटी के माध्यम से प्राप्त होंगे। बिचौलियों की भूमिका कम होगी, कागजी कार्यवाही खत्म होगी और प्रक्रिया तेज एवं पारदर्शी बनेगी। उपायुक्त ने बताया कि पंजीकरण के लिए कृषि एवं राजस्व विभाग की



फतेहाबाद। एग्रीस्टैक किसान पंजीकरण अभियान के तहत आयोजित शिविर में पंजीकरण का कार्य करते हुए कर्मचारी।

फतेहाबाद व टोहाना तहसील में शिविरों का शेड्यूल

तहसील फतेहाबाद में गांव धांगड़ एवं नागपुर में जहां रविवार को शिविर का आयोजन किया गया वहीं गांव गिलाखेड़ा एवं चनकोठी में 22 दिसंबर को, एम.पी. रोही एवं दरियापुर में 23 दिसंबर, भट्ट खुर्द एवं हिजरावां खुर्द में 24 दिसंबर, भिरडाणा एवं बीघड़ में 25 दिसंबर, हिंजरावां कलां एवं दाणी टोबा में 26 दिसंबर, बरसीन में 27 दिसंबर, रजाबाद एवं भूखन कलां में 28 दिसंबर, बगनाव एवं कुकड़वाली में 29 दिसंबर, बहबलपुर एवं खुंवर में 30 दिसंबर तथा खारा खेड़ी एवं करजोली में 31 दिसंबर) को शिविर लगेंगे। टोहाना तहसील के गांव जमालपुर शेखां एवं ललोदा में शनिवार व रविवार को शिविर आयोजित किए गए। इसके अलावा गांव हांसेवाला एवं नांगली में 22 दिसंबर, कच्छड़ी एवं बोस्ती में 23 दिसंबर, डांगरा एवं चंदड़ कलां में 24 दिसंबर, कमालवाला एवं गाजुवाला में 25 दिसंबर, चितैन एवं मालाहेड़ी में 26 दिसंबर, हिममतपुरा एवं भट्ट में 27 दिसंबर, रता खेड़ा एवं ठरवीं में 28 दिसंबर, लोहा खेड़ा एवं खजोरा में 29 दिसंबर, सनियाणा एवं रसैन में 30 दिसंबर तथा दमकोरा एवं आमनी 31 दिसंबर को शिविर आयोजित किए जाएंगे।

संयुक्त टीम में गठित की गई हैं। इन टीमों को आवश्यक प्रशिक्षण दे दिया गया है। ग्राम सचिवों और चौकीदारों के माध्यम से गांवों में व्यापक प्रचार किया जा रहा है

ताकि अधिक से अधिक किसान शिविरों में भाग लें।

उपायुक्त ने कहा कि एग्रीस्टैक से किसानों को मौसम पूर्वानुमान, मिट्टी स्वास्थ्य, बाजार मूल्य और

रतिया, भूना व भट्ट में लगेंगे कैंप

तहसील रतिया के गांव अलालवास एवं अहरवां में रविवार को कैम्प आयोजित किया गया। मोहमदपुर सोतर एवं बबनपुर में 22 दिसंबर, लांभा एवं रतनगढ़ में 23 दिसंबर, छहमानवाला एवं कलोठा में 24 दिसंबर, चिमो एवं हडोली में 25 दिसंबर, नंगल एवं खुनन में 26 दिसंबर, रतिया एवं हमजापुर में 27 दिसंबर, कुजाल एवं कमना में 28 दिसंबर, खेरपुर एवं घासवा में 29 दिसंबर, बलियाला एवं रोजावाली में 30 दिसंबर, हुकमावाली एवं बुर्ज में 31 दिसंबर को शिविर लगेंगे। तहसील भुना के गांव धौलू में आज शिविर लगा वहीं भुना में 22 दिसंबर, जांडली खुर्द में 23 दिसंबर, नेहला में 24 दिसंबर, गोरखपुर में 25 दिसंबर, बुआन में 26 दिसंबर, सिंथाला में 27 दिसंबर, दहमान में 28 दिसंबर, डुल्ट में 29 दिसंबर, खासा पठाना में 30 दिसंबर तथा चंदड़कलां में 31 दिसंबर को शिविर आयोजित किए जाएंगे भट्टकलां के गांव किरदान में 22, पीली मंदोरी में 23, ठुईयां में 24, सुली खेड़ा में 25, दांड में 26, दाबी कलां में 27, खाबड़ा कलां में 28, जांडवाला में 29, बनावली में 30 तथा पीलीमंदोरी में 31 दिसंबर को शिविर लगेंगे।

बेहतर फसल सलाह मिलेगी। एक बार पंजीकरण होने पर बार-बार दस्तावेज जमा करने की जरूरत नहीं पड़ेगी। उन्होंने सभी किसानों से आग्रह किया कि निर्धारित तिथि

पर अपने गांव के शिविर में आधार कार्ड, भूमि रिकॉर्ड और अन्य आवश्यक दस्तावेज लेकर पहुंचें तथा इस महत्वपूर्ण अभियान का हिस्सा बनें।

सेंट जोसेफ स्कूल में बच्चों ने दिखाई प्रतिभा

हरिभूमि न्यूज़ ►► टोहाना

भूना रोड स्थित सेंट जोसेफ इंटरनेशनल स्कूल में ब्रेनियाक अवार्ड 4.0 वार्षिकोत्सव का आयोजन धूमधाम से किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ स्कूल प्राचार्या मारियालीन लुईस, उप प्राचार्या कुलदीप कौर, डिफेंस डिग्री प्राचार्य जसवीर नैन, डिफेंट पीजी कॉलेज ऑफ एजुकेशन प्राचार्य तरसेन चंद, हैरिटेज स्कूल ऑफ नर्सिंग प्राचार्या परमजीत कौर व डिफेंस आईटीआई प्राचार्य राजकुमार ने दीप प्रज्वलित कर किया। प्राचार्या मारियालीन लुईस ने अभिभावकों को सम्बोधित करते हुए कहा कि विद्यालय ने हमेशा शिक्षा के क्षेत्र में उत्कृष्टता



टोहाना। वार्षिकोत्सव में प्रस्तुति देते विद्यार्थी।
■ वार्षिक उत्सव में पंजाबी व अन्य नृत्यों की प्रस्तुतियां दी

प्राप्त की है और यह छात्रों के संघर्ष और कड़ी मेहनत का परिणाम है। उप प्राचार्या कुलदीप कौर ने बताया कि इस अवसर पर कांतारा नृत्य विशेष आकर्षण का केंद्र रहा। पंजाबी, हरियाणवी, क्लासिकल, अरेबियन नृत्य की प्रस्तुतियों में विद्यार्थियों ने अपनी शानदार कला का प्रदर्शन किया। यह वार्षिकोत्सव

दर्शकों के लिए एक यादगार अनुभव बन गया। इस अवसर पर सत्र 2024-25 में कक्षा में पाँजिशान हासिल करने वाले तथा प्रदेश स्तरीय खेलों में अव्वल रहे विद्यार्थियों को ट्राफी देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के अंत में प्राचार्या मारियालीन लुईस ने सबका आभार जताया।

गांधी विद्या मंदिर में विजज प्रतियोगिता का आयोजन

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

सेक्टर -12 स्थित गांधी विद्या मंदिर स्कूल में विजज कंटेस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत विजेटा बच्चों को पुरस्कार देकर किया सम्मानित



फतेहाबाद। गांधी विद्या मंदिर में विजेटा टीम को पुरस्कृत करते वाइस प्रिंसीपल मॉनिका शर्मा।
फोटो: हरिभूमि

एम-3, जूनियर-ए ग्रुप में कक्षा पहली व दूसरी, जूनियर बी ग्रुप में कक्षा तीसरी से पांचवीं तथा सीनियर ग्रुप में कक्षा छठी से नौवीं तक के विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस

प्रतियोगिता में पांच टीमों का गठन किया गया। प्रिंसीपल सुशील शर्मा ने कहा कि इस प्रकार की प्रतियोगिताओं के आयोजन से बच्चों के सामान्य ज्ञान में वृद्धि होती है।

उनकी मानसिक क्षमता का विकास होता है। यही क्षमता भविष्य में बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए तैयार करती है। प्रत्येक टीम से सात राउंड्स में प्रश्न पूछे गए। प्रतियोगिता का सबसे आकर्षक राउंड 'बर्जर राउंड' रहा, जिसमें बच्चों का उत्साह देखने लायक था। हर राउंड के बाद ऑडियंस के लिए भी आकर्षक प्रश्न थे, जिनका उत्तर ऑडियंस ने बड़ी उत्सुकता से दिया। अंत में स्कूल की वाइस प्रिंसीपल मोनिका शर्मा ने विजेटा बच्चों को पुरस्कृत किया। उन्होंने प्रतियोगिता में भाग लेने वाले प्रत्येक बच्चे को समझाया कि वे परिणाम की साधना न करें, बल्कि प्रतियोगिता में भाग लेना ही अपने आप में बड़ी उपलब्धि है।

रविवार को पुलिस कर्मचारियों ने किया श्रमदान थानों-चौकियों की सफाई कर किया चकाचक

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

पुलिस अधीक्षक सिद्धांत जैन के मार्गदर्शन में फतेहाबाद पुलिस द्वारा शुरू की गई 'स्वच्छ थाना-चौकी पहल' के तहत रविवार को जिलेभर में पुलिस कर्मचारियों ने श्रमदान किया। पुलिस कर्मचारियों ने थानों-चौकियों में साफ-सफाई की वहीं पौधे भी लगाए। पुलिस कर्मचारियों की यह पहल न केवल थाना परिसरों की साफ-सफाई तक



सीमित है, बल्कि इससे पुलिस के कार्य-व्यवहार, अनुशासन और जनसेवा की सोच में भी स्पष्ट सुधार देखने को मिल रहा है। इस अभियान के तहत जिले के सभी थानों और चौकियों में प्रत्येक रविवार पुलिस अधिकारी व कर्मचारी मिलकर

पुलिस ने थाने में लगाया भंडारा जरूरतमंदों को कंबल वितरित

हरिभूमि न्यूज़ ►►फतेहाबाद

जिला पुलिस न केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखने में बल्कि सामाजिक सरोकारों और मानवीय सेवा में भी निरंतर अग्रणी भूमिका निभा रही है। इसी कड़ी में थाना भुना पुलिस द्वारा समाज के कमजोर वर्गों के लिए एक सराहनीय पहल की गई। भुना पुलिस प्रभारी उपनिरीक्षक ओमप्रकाश के नेतृत्व में थाना भुना परिसर में विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आमजन, राहगीरों एवं जरूरतमंद लोगों को प्रेमपूर्वक भोजन कराया गया। भंडारे के दौरान सामाजिक समरसता और सेवा



फतेहाबाद। जरूरतमंदों को कंबल वितरित करते भूना एसएचओ।

भावना का संदेश भी दिया गया। इसके साथ ही पुलिस अधीक्षक के निर्देशानुसार जरूरतमंद लोगों को सर्दी से बचाव के लिए कंबल वितरित किए गए, जबकि छोटे बच्चों को गर्म कपड़े प्रदान किए गए, ताकि ठंड के मौसम में उन्हें किसी प्रकार की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस मानवीय पहल से जरूरतमंद को कंबल भेंट किए।

न्याय मार्च को लेकर सभी डिपुओं में रोष मीटिंग करेगा सांझा मोर्चा

हरिभूमि न्यूज़ ►►सिरसा

कर्मचारियों की मानी गई मांगों को लागू करवाने के लिए व रोडवेज विभाग विरोधी नीतियों के विरोध में आगामी 18 जनवरी को अंबाला छावनी में परिवहन मंत्री आवास पर न्याय मार्च निकाला जाएगा, जिसमें प्रदेशभर से सभी



सिरसा। न्याय मार्च की तैयारी को लेकर डिपो में मीटिंग करते हुए रोडवेज कर्मी।

जायज मानकर समय-समय पर कर्मचारी नेताओं के साथ बैठक करके समझौता तो कर लेती हैं परंतु मानी गई जायज मांगों को लागू नहीं कर रही हैं। उन्होंने बताया कि इसकी तैयारी के लिए सांझा मोर्चे ने दो टीमों का गठन किया है, जो सभी डिपो में गेट मीटिंग करेंगी। उन्होंने बताया कि कल 22 दिसंबर को नारनौल डिपो,

23 दिसंबर को भिवानी व दादरी डिपो, 26 दिसंबर को फतेहाबाद व सिरसा डिपो, 29 दिसंबर को फलवल व नूह डिपो, 5 जनवरी को देहली व सोनोपत डिपो, 8 जनवरी को कैथल व कुरुक्षेत्र डिपो, 12 जनवरी को अंबाला डिपो, दूसरी टीम 24 दिसंबर को झज्जर व रेवाड़ी डिपो में बैठक करेंगे।

तनाव के कारण बढ़ रही बीमारियां

कार्यक्रम के समापन पर योग विशेषज्ञ अंबिका पांटा ने सभी प्रतिभागियों का धन्यवाद करते हुए कहा कि वर्तमान समय में अधिकांश लोग मानसिक तनाव और मानसिक बीमारियों से जुड़ा रहे हैं, जिसका मुख्य कारण स्वयं के लिए समय न निकाल पाना है। उन्होंने कहा कि जब व्यक्ति अपने मन रूपी बैटरी को पवित्र और सकारात्मक विचारों से चार्ज नहीं करता, तो वह धीरे-धीरे मानसिक असंतुलन की ओर बढ़ता जाता है। इसका एकमात्र और सरल उपाय ध्यान है। प्रत्येक व्यक्ति को स्वस्थ रहने और एक अच्छे समाज की नींव रखने के लिए ज्ञान एवं ध्यान के माध्यम से स्वयं को मानसिक रूप से सशक्त बनाना होगा।

परिवर्तन से ही विश्व-परिवर्तन संभव है। उन्होंने राजयोग अर्थात् सहज ध्यान की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए बताया कि यह अभ्यास आत्म-ज्ञान, आंतरिक शांति और दैवीय गुणों जैसे प्रेम, विनम्रता एवं पवित्रता को जागृत करता है। जिला

योग कोऑर्डिनेटर डॉ. भारती चौहान ने कहा कि ध्यान प्रत्येक मनुष्य के जीवन के लिए अत्यंत आवश्यक है। यदि कोई व्यक्ति तन और मन दोनों से स्वस्थ रहना चाहता है, तो उसे नित्य प्रति ध्यान को करना चाहिए।

आयुष योग सहायकों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। ध्यान सत्र द्वारा की गई। ध्यान शिविर में ब्रह्माकुमारी आश्रम के नियमित साधकों के साथ-साथ आयुष विभाग जिला फतेहाबाद के समस्त

रहों, जबकि कार्यक्रम की देखरेख जिला योग विशेषज्ञ अंबिका पांटा द्वारा की गई। ध्यान शिविर में ब्रह्माकुमारी आश्रम के नियमित साधकों के साथ-साथ आयुष विभाग जिला फतेहाबाद के समस्त

फतेहाबाद। कार्यक्रम का शुभारंभ करते अतिथिगण।

फोटो: हरिभूमि

खबर संक्षेप



हिसार। कार्यक्रम के तहत प्रस्तुति देते विद्यार्थी। फोटो: हरिभूमि

कानूनी साक्षरता
प्रतियोगिता आयोजित

हिसार। जिला स्तरीय कानूनी साक्षरता प्रतियोगिता का आयोजन शहर के ब्लूमिंग डेलस स्कूल में किया गया। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि जिला शिक्षा अधिकारी वेद सिंह दहिया, जिला परियोजना संयोजक विजेंदर सिंह तथा जिला विधिक सेवाएं प्राधिकरण हिसार से सतेंद्र घनघस रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता खंड शिक्षा अधिकारी अनिल नेहरा ने की।

रामलीला कमेटी कटला के पदाधिकारियों का अभिनंदन
हिसार। श्रीरामलीला कमेटी कटला, हिसार के नवनिर्वाचित प्रधान विनोद गुप्ता, महासचिव ललित गोयल एवं कार्यकारिणी सदस्यों का रविवार को स्माइल क्लब ने अभिनंदन किया। कलाथ मार्किट में किये गये कार्यक्रम में क्लब के प्रधान अंजनी कोहली वाले ने क्लब की कार्यकारिणी के साथ रामलीला कटला के पदाधिकारियों का शॉल ओढ़ाकर स्वागत किया और भविष्य में रामलीला कमेटी के सभी कार्य सुचारु रूप से चलाने की शुभकामनाएं दीं।

केक काटकर बनाया सुरजेवाला का जन्मदिन
हिसार। युवा विधायक आदित्य सुरजेवाला का जन्मदिन जिला कांग्रेस भवन मनाया गया। इस अवसर पर जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बृजलाल बहबलपुरिया ने केक काटकर जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं दी तथा उपस्थित कांग्रेस कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को लड्डू बांटेकर खुशियां साझा कीं। इस अवसर पर बृजलाल बहबलपुरिया ने युवा विधायक आदित्य सुरजेवाला को जन्मदिन की शुभकामनाएं देते हुए कहा कि आदित्य सुरजेवाला युवा सोच, ऊर्जा और जनसेवा की भावना के प्रतीक हैं।

श्याम वंदना महोत्सव में कन्हैया और संजय मित्तल के भजनों पर झूमे श्रद्धालु

- श्याम बाबा काम करे डंके की चोट पे... .
- मझदार में है नैय्या राहें अन्जानी हैं... .

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

जय श्रीश्याम मंडल के 25 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में पुराना गवर्नमेंट कॉलेज के मैदान में श्याम वंदना महोत्सव का आयोजन किया गया। चंडीगढ़ के सुप्रसिद्ध भजन गायक कन्हैया मित्तल व कोलकत्ता से आये संजय मित्तल ने जब एक के बाद एक भजनों की प्रस्तुति दी तो श्रद्धालुओं का जन समूह झूम उठा। देर रात तक चले इस कार्यक्रम में हिसार व आसपास के शहरों व गांवों से भी हजारों लोगों ने अपनी उपस्थिति दर्ज करवाई। श्याम बाबा का भव्य दरबार लगाया गया। कोलकत्ता से फूलों की 51 मालाओं

संवाद

उच्चाधिकारियों को शिकायतों के तुरंत समाधान करने के दिए निर्देश

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

हरियाणा के लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा ने रविवार को अपने हिसार स्थित आवास पर जनता दरबार लगाकर क्षेत्रवासियों से सीधा संवाद किया। इस दौरान भारी संख्या में पहुंचे लोगों ने अपनी व्यक्तिगत व सार्वजनिक समस्याओं को मंत्री के समक्ष रखा। कैबिनेट मंत्री ने सभी की शिकायतों को सुना और उनके त्वरित व प्रभावी समाधान के लिए संबंधित विभागों के उच्चाधिकारियों को मौके पर ही आवश्यक दिशा-निर्देश जारी किए। मंत्री रणबीर गंगवा ने कहा कि जनसेवा ही हमारा संकल्प है और जनता की प्रत्येक समस्या का समयबद्ध समाधान सुनिश्चित करना हमारी सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है।

जिला क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप : लड़कियों की 2000 मीटर में गुनगुन रही अव्वल

गांव मय्यड़ के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में क्रॉस कंट्री प्रतियोगिता संपन्न



■ विजेता खिलाड़ी अब सोनीपत में होने वाली राज्य स्तरीय चैंपियनशिप में भाग लेंगे

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

एथलेटिक्स हिसार की ओर से निकटवर्ती गांव माइयड़ के राजीव गांधी खेल स्टेडियम में एक दिवसीय जिला स्तरीय क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप रविवार को संपन्न हुई। इसमें मुख्य अतिथि के तौर पर कर्नल संदीप खरब मौजूद रहे। एथलेटिक्स हिसार के महासचिव मनोज कड़वासरा व वरिष्ठ सह सचिव राजू कनोह ने बताया कि

इसमें जिला भर से करीबन 150 खिलाड़ियों ने भाग लिया। प्रतियोगिता की अध्यक्षता सरपंच प्रतिनिधि विकास कोहाड़ ने की। उन्होंने बताया कि ये खिलाड़ी अब 28 दिसम्बर को सोनीपत में होने वाली 40वीं राज्य स्तरीय क्रॉस चैंपियनशिप में हिसार जिले का प्रतिनिधित्व करेंगे। इस मौके पर खो-खो कोच कुलदीप मसूदपुर, फुटबॉल कोच राजदीप के इलावा सुधीर, लोकेश, अमित, प्रदीप, सुनील, संदीप, राजेन्द्र मुंडाल आदि भी मौजूद रहे।

प्रतियोगिता के परिणाम इस प्रकार रहे: महिला वर्ग की 10000

मीटर रेस में प्रथम यशु, द्वितीय मुन्नी रही। आयु वर्ग अंडर-20 लड़कियों की 6000 मीटर में प्रथम विपुल, द्वितीय सोनिया, तृतीय पायल रही। आयु वर्ग अंडर-18 लड़कियों की 4000 मीटर में प्रथम दुर्गा, द्वितीय सिमरन, तृतीय स्थान पर नेहा रही। आयु वर्ग अंडर-16 लड़कियों की 2000 मीटर में प्रथम गुनगुन, द्वितीय श्रुति, तृतीय अनु रही। इसी प्रकार पुरुष वर्ग की 10000 मीटर में प्रथम कुलदीप, द्वितीय स्थान पर संदीप और तृतीय स्थान प्रदीप ने पाया। आयु वर्ग अंडर-20 लड़कों की 8000 मीटर दौड़ में प्रथम नसीब, द्वितीय साहिल



हिसार। जिला क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप में भाग लेते हुए प्रतिभागी तथा हरियाणा स्टेट रग्बी चैम्पियनशिप के लिए चुनी गई जिला हिसार की टीम। फोटो: हरिभूमि

हरियाणा स्टेट रग्बी चैम्पियनशिप के लिए जिला की टीम चयनित

हिसार। हिसार रग्बी एसोसिएशन की ओर से हिसार जिले की लड़के और लड़कियों की अंडर-15 वर्ष आयु वर्ग की टीम का सिलेक्शन रविवार को निकटवर्ती गांव माइयड़ में किया गया। हिसार रग्बी एसोसिएशन के अध्यक्ष प्रवीण उडान ने बताया कि इसमें लड़कों में कार्तिक, अमन, अंकुश, संदीप, आरुष, आर्यन, हिमांशु, रोहित, करण, प्रयास और प्रिंस का चयन किया गया है। लड़कियों में सुहाना, दक्षिता, दिव्या, सुशी, हरमन, असमीन, साव्या, ईशा, किरण, पायल, ममता और राधिका स्टेट चैम्पियनशिप में जिले का प्रतिनिधित्व करेंगी। चयनित खिलाड़ी 24 दिसम्बर को होने वाली राज्य स्तरीय प्रतियोगिता में भाग लेंगे। इस मौके पर सुखील, प्रदीप, संदीप, कुलदीप, योगेश आदि भी मौजूद रहे।

कुमार जबकि तृतीय स्थान पर आकाश ने प्राप्त किया। आयु वर्ग 18 लड़कों की 6000 मीटर में प्रथम हितेश, द्वितीय विनय तथा

तृतीय अमन रहा। आयु वर्ग 16 लड़कों में की 2000 मीटर में प्रथम अवनीत, द्वितीय योगेश, तृतीय स्थान होशियार सिंह ने पाया।

भीम आर्मी ने बैठक के दौरान की संगठन की मजबूती पर चर्चा

■ संगठन में की गई अनेक पदों पर नियुक्तियां

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

भीम आर्मी हिसार की बैठक यहां हुई जिसमें सांगठनिक गतिविधियों पर विचार विमर्श किया गया। बैठक में भीम आर्मी के जिला संगठन का विस्तार किया गया। संगठनात्मक विस्तार के तहत रिटायर्ड मैनेजर अशोक रंगा को भीम आर्मी जिला हिसार का सोनियर सलाहकार नियुक्त किया गया। डॉ. सुदेश को जिला ग्रामीण अध्यक्ष, एडवोकेट



हिसार। बैठक में नवनिर्भुक्त पदाधिकारियों का स्वागत करते पाईटन।

मोनिता निंबल को जिला उपाध्यक्ष, डॉ. सुधीर सातरोड एवं कृष्ण लाल बेरवाल को जिला उपाध्यक्ष बनाया

गया। एडवोकेट अमन लांबा को जिला महासचिव, पूर्व हलका अध्यक्ष गोपाल को जिला सचिव तथा रामभगत लांबा को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया। इस अवसर पर भीम आर्मी हरियाणा प्रदेश महासचिव संतलाल अंबेडकर, प्रदेश सचिव शंखर रंगा, जिला अध्यक्ष प्रदीप यादव, जिला सचिव संदीप माहला, गुरु चंद्रेश स्वामी, रिछपाल, सुरेश छाडिया, कमल निंबल, राजेश बांगड़ आदि रहे।

परिजनों ने जताया हत्या का संदेह, केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज़ ►► हासी

क्षेत्र के गांव ढाणी कुम्हारान के पास देर रात हुए एक संदिग्ध सड़क हादसे में ट्रेजरी विभाग में कार्यरत 35 वर्षीय युवक की मौत हो गई। मृतक की पहचान भिवानी जिले के गांव चोरटापुर निवासी कुलदीप के रूप में हुई है।

परिजनों ने इसे सामान्य दुर्घटना मानने से इनकार करते हुए कुलदीप

की हत्या किए जाने की आशंका जताई है। सड़क हादसे की सूचना मिलने पर पुलिस व फोरेंसिक टीम अस्पताल पहुंची और शव को कब्जे में लेकर परिजनों के बयान दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम करवा



हासी। मृतक कुलदीप सिंह की फाइल फोटो।

परिजनों को सौंप मामले की जांच शुरू कर दी है। पुलिस जांच अधिकारी ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के कारणों का खुलासा हो पाएगा। उन्होंने बताया कि पुलिस

सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की जांच कर रही है। परिजनों के अनुसार कुलदीप शनिवार रात करीब दो बजे जरूरी काम की बात कहकर घर से निकला था लेकिन वापस नहीं लौटा। सुबह एक ग्रामीण ने लिंक रोड

पर उसकी बाइक पड़ी हुई देखी और उसके पास ही अचेत अवस्था में कुलदीप पड़ा मिला। परिजन उसे तुरंत उपचार के लिए नागरिक अस्पताल लेकर पहुंचे, जहां

चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया। परिजनों का कहना है कि कुलदीप के सिर पर चोट के निशान थे, जबकि बाइक को ज्यादा नुकसान नहीं पहुंचा। साथ ही जिस लिंक रोड पर हादसा हुआ है, वहां वहां वाहनों की ज्यादा आवाजाही नहीं रहती है, जिससे यह हादसा नहीं हत्या लग रही है। परिजनों ने बताया कि कुलदीप ने करीब पांच वर्ष पहले लव मैरिज की थी और इस कारण भी किसी सांशका से इनकार नहीं किया जा सकता।

अग्रोहा में बस अड्डा व रेलवे की सुविधा न होने से जनता में नाराजगी : गर्ग

सरकार अपनी घोषणा के अनुसार अग्रोहा टोल को हटाए

हरिभूमि न्यूज़ ►► हिसार

वैश्य समाज के प्रतिनिधियों की बैठक अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग की अध्यक्षता में हुई। बैठक में अग्रोहा की समस्याओं पर विचार किया गया। अग्रोहा धाम वैश्य समाज के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष बजरंग गर्ग ने कहा कि अग्रोहा की सर्विस रोड पूरी तरह से खस्ता हालत में है। रोड पर कई बार एक्सीडेंट होने से कई मौत हो चुकी है। सरकार को तुरंत प्रभाव से अग्रोहा की सर्विस रोड को बनाना चाहिए। उन्होंने कहा कि अग्रोहा में 2021 से बस अड्डा बना हुआ है।



हिसार। समाज के प्रतिनिधियों को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित करते बजरंग दास गर्ग।

बस अड्डा का शुभारंभ करने के बावजूद भी अनेक वर्षों से बंद पड़ा है। अग्रोहा में बस अड्डा व रेलवे की सुविधा ना होने से जनता में सरकार के प्रति बड़ी भारी नाराजगी है। सरकार को तुरंत प्रभाव से बंद पड़ा बस अड्डा को चालू करना चाहिए। सरकार को अपनी घोषणा से अनुसार अग्रोहा टोल को हटाना चाहिए जबकि 60 किलोमीटर पर दो टोल नहीं हो सकते। माय्यड के

बाद अग्रोहा टोल 34 किलोमीटर पर बना हुआ है जबकि अग्रोहा टोल 2014 में बना था। अग्रोहा टोल प्लाजा से लगभग हर रोज 15 लाख रुपए की वसूली की जा रही है। इस अवसर पर पंजाब इकाई महिला प्रधान कांता गोयल, मनप्रीत बंसल पंजाब, फतेहाबाद जिला प्रधान नेहा मित्तल, दिल्ली प्रधान पूनम रानी गर्ग, चंडीयां राम गोयल टोहाना, आदि मौजूद रहे।

विस में मुद्दा उठाने की मांग को लेकर संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा ने सौंपा ज्ञापन

उकलाना मंडी। संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के आह्वान पर हिसार जिले के मोर्चा प्रतिनिधिमंडल ने भवन निर्माण मजदूरों की ज्वलंत मांगों को आगामी विधानसभा सत्र में उठाने की मांग को लेकर विधायक के पीए को जापन सौंपा। प्रतिनिधिमंडल ने मांग की कि विधानसभा में निर्माण मजदूरों व मनरेगा मजदूरों से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से

■ भवन निर्माण मजदूरों की ज्वलंत मांगों को पूरा करने को कहा गया

उठाया जाए। इस प्रतिनिधिमंडल में इंटर नेता केसर गहलोत, प्रवीण कुमार, सोनू कुमार, सीटू नेता राधेश्याम भुक्कल, रामकुमार, राजेश कुमार, एटक के विजय टाक, कालूराम, सुनील कुमार और बलजीत सिंह शामिल रहे। मोर्चा नेताओं ने बताया कि 14 दिसंबर को हजारों निर्माण मजदूरों ने कुरुक्षेत्र स्थित मुख्यमंत्री आवास पर जोरदार प्रदर्शन किया था। इसके बाद 15 दिसंबर को संयुक्त निर्माण मजदूर मोर्चा हरियाणा के प्रतिनिधिमंडल की मुख्यमंत्री से बातचीत हुई, जिसमें मुख्यमंत्री ने निर्माण मजदूरों की मांगों के शीघ्र समाधान का आश्वासन दिया था। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि निर्माण मजदूरों की समस्याओं का जल्द समाधान नहीं किया गया तो 17 व 18 जनवरी 2026 को हिसार, भिवानी, जौंद और अंबाला में मंत्रियों के आवासों पर दो दिवसीय दिन-रात का पड़ाव (धरना) दिया जाएगा।

बुनियादी ढांचा मजबूत होगा

प्रदेश सरकार अंतिम व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं का लाभ पहुंचाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने कहा कि उनके मंत्रालय का मुख्य ध्येय प्रदेश के बुनियादी ढांचे को मजबूत करना और हर घर तक स्वच्छ पेयजल की आपूर्ति सुनिश्चित करना है। विभिन्न विभागों से संबंधित शिकायतों पर सझान लेते हुए कैबिनेट मंत्री ने अधिकारियों को हिदायत दी कि जनसमस्याओं के निवारण में किसी भी स्तर पर ढिलाई या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने लोक निर्माण और जन स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को विशेष रूप से निर्देश दिए कि वर्तमान में चल रहे विकास कार्यों को निर्धारित समय सीमा के भीतर पूरा करें और निर्माण की गुणवत्ता में किसी भी प्रकार का समझौता न हो। सड़कों की मरम्मत, पेयजल आपूर्ति और जल निकासी जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर उन्होंने विश्वास दिलाया कि क्षेत्र के विकास के लिए बजट की कोई कमी नहीं रहने दी जाएगी।



हिसार। समस्याएं सुनते मंत्री रणबीर गंगवा। फोटो: हरिभूमि

स्थापित - 1936

सर्वसन्तु निरामया :

डॉ. बनारसी दास शर्मा हस्पताल

3 पीढ़ियों से आपकी सेवा में

आयुर्वेद चिकित्सा-श्रेष्ठ चिकित्सा

चर्म रोग

सोतवसिस

स्फेद दाग

बातों का झड़ना

गुंमारे

एज्जिमा, Fungal, Acne, Alcpocia, Urticaria आदि सभी प्रकार के चर्म रोगों के विशुद्ध आयुर्वेदिक उपचार के लिए सम्पर्क करें।

डॉ. साकेत शर्मा, आयुर्वेदाचार्य

मोहल्ला सैनियान, हिसार | मो. 98960-04939